**भारत सरकार**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं0 :1088**

**दिनांक 29 जुलाई, 2015**

**नए गैस रिज़र्व के अन्वेषण के लिए ग्लोबल नॉलेज नेटवर्क**

1088. श्री मणि शंकर अय्यरः

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या डेक्कन ट्रैप और तेराई क्षेत्र जैसे तटीय क्षेत्र में तथा बंगाल की खाड़ी तथा अरब सागर जैसे अपतटीय क्षेत्र में विशेष रूप से संभाव्य तेल और गैस भण्डार का पता लगाने और उसका दोहन करने से संबंध्ति तकनीकी समस्याओं के समाधन के लिए वर्ष 2004-05 में ग्लोबल नॉलेज नेटवर्क को बढ़ावा देने के लिए की गई पहल, अभी भी जारी है;

(ख) यदि हां, तो उसमें क्या प्रगति हुई है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्‍तर**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

**(श्री धर्मेन्‍द्र प्रधान)**

1. से (ग): नई अन्‍वेषण लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी) के तहत तेल और गैस अन्‍वेषण संबंधी कार्यकलाप करने के लिए तराई और डेक्‍कन ट्रैप क्षेत्रों में तीन जमीनी ब्‍लाक प्रदान किए गए थे और अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी के गहरे समुद्री क्षेत्रों में 27 ब्‍लाक प्रदान किए गए थे।

तराई, डेक्‍कन ट्रैप और अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी के गहरे समुद्री क्षेत्रों में तेल और गैस अन्‍वेषण कार्यकलाप करने के लिए अनेक कदम उठाए गए थे/पहलें की गई थीं। इन क्षेत्रों में किए गए अन्‍वेषण कार्यकलापों के परिणामस्‍वरूप गुजरात कच्‍छ क्षेत्र के एक ब्‍लाक में ट्रैप के नीचे एक गैस खोज की गई थी और अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी के गहरे समुद्री क्षेत्रों में 8 तेल और 38 गैस खोजें की गई हैं। एक ब्‍लाक (केजी-डीडब्‍ल्‍यूएन-98/3) में 2 गैस और एक तेल खोज से उत्‍पादन किया जा रहा है।

\*\*\*